4

# राजकीय एवं निजी विद्यालयी प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों का तुलनात्मक अध्ययन

अमित कुमार दवे*

प्रस्तुत शोध आलेख राजकीय एवं निजी विद्यालयी प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित है। इस आलेख में मात्रा, अनुस्वार, विसर्ग, चंद्रबिंदु, शिरोरेखा, संयुक्ताक्षर, श्, स्, ष्, ह्, र्, वर्णों की बनावट प्रयोग संबंधी क्षेत्रों को दृष्टिपथ पर रखकर तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है। आलेख का समापन परिकल्पनानुसार विश्लेषण करने के पश्चात् वर्तनीगत त्रुटियों के करने के कारणों, वर्तनीगत त्रुटियाँ दूर करने एवं कम करने हेतु सुझाव भी प्रस्तुत किए गए हैं। शोध में 20 प्राथमिक विद्यालयों को शामिल किया गया इनमें 10 विद्यालय राजकीय व 10 निजी विद्यालय हैं। शोध उपकरण हेतु स्वनिर्मित उपकरण 'वर्तनीगत त्रुटि अवलोकन पत्रक' का निर्माण किया गया। इसके साथ ही शोध कार्य हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है। आशा है यह आलेख गृहकार्य में वर्तनीगत त्रुटियों को दूर करने एवं कम करने में छात्रों एवं शिक्षकों का मार्गदर्शन करेगा।

किसी भी राष्ट्र की शिक्षा व्यवस्था की धुरी प्राथमिक स्तरीय शिक्षा का नियोजन होती है। प्राथमिक स्तरीय शैक्षिक ढाँचा यदि गुणात्मक भावी लब्धियाँ करवाने में समर्थ है तो शैक्षिक व्यवस्था का स्तर निश्चित ही उत्कृष्ट कहा जा सकता है। प्राथमिक स्तर पर भाषायी शिक्षण व अधिगम को भी विशिष्ट दर्जा प्रदान किया गया है। इसी के अंतर्गत प्राथमिक स्तर पर शिक्षा प्रदान करने के विविध संस्करणों द्वारा भाषायी शिक्षण के प्रयास कुछ पृथक भी हो सकते हैं। विशेष तौर पर राष्ट्र में राजकीय एवं निजी विद्यालयी पद्धतियों के माध्यम से शिक्षा-दीक्षा का कार्य संचालित है। राजकीय एवं निजी विद्यालयों के छात्रों को भाषायी शिक्षण के अंतर्गत विविध कौशलों से युक्त करने के प्रयास किए जाते रहे हैं। उन्हीं में से प्राथमिक स्तरीय राजकीय एवं निजी विद्यालयों के छात्रों द्वारा शिक्षण के दौरान दिए जाने वाले गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों का अध्ययन करने का प्रयास इस शोध में किया गया है।

* *असिस्टेंट प्रोफ़ेसर*, शिक्षा संकाय, जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर, राजस्थान

© NCERT not to be republished

## शोध उद्देश्य

प्रस्तुत प्रायोजना कार्य हेतु निम्न उद्देश्यों का निर्धारण किया गया—

1. राजकीय एवं निजी विद्यालयी प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों की तुलना करना।
2. प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के कारणों का पता लगाना।
3. प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियाँ को दूर करने एवं शिक्षण हेतु सुझाव देना।

## शोध परिकल्पना

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु निम्न शून्य परिकल्पना का निर्माण किया गया — राजकीय एवं निजी विद्यालयी प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।

## शोध विधि

प्रस्तुत शोध कार्य हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया।

## शोध न्यादर्श

'राजकीय एवं निजी विद्यालयी प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों का तुलनात्मक अध्ययन' विषयक शोध कार्य हेतु न्यादर्श के अंतर्गत राजस्थान के उदयपुर एवं जयपुर संभाग के 20 प्राथमिक स्तरीय विद्यालयों का चयन किया गया। इनमें 10 राजकीय एवं 10 निजी प्राथमिक विद्यालय थे। इन विद्यालयों का चयन सोद्देश्य न्यादर्श चयन विधि द्वारा किया गया। इन चयनित विद्यालयों से दो-दो छात्रों के गृहकार्य का विशेषतः हिंदी भाषा के संबंध में गहन अध्ययन किया गया। कुल राजकीय एवं निजी 20 विद्यालय चयनित किए गए। प्रत्येक विद्यालय से 2-2 छात्र यादृच्छिक न्यादर्श चयन विधि से चयनित किए गए। इस प्रकार कुल 40 छात्रों को न्यादर्श के रूप में चुना गया।

## शोध उपकरण

प्रस्तुत शोध कार्य को तार्किक व सार्थक बनाने हेतु स्वनिर्मित उपकरण 'वर्तनीगत त्रुटि अवलोकन पत्रक' का निर्माण किया गया।

## राजकीय एवं निजी विद्यालयी प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों का तुलनात्मक विश्लेषण

राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों का अध्ययन करने हेतु 'वर्तनीगत त्रुटि अवलोकन प्रपत्र' नामक स्वनिर्मित उपकरण के माध्यम से दत्तों का संकलन किया गया। प्राप्त दत्तों के आधार पर मध्यमान, मानक विचलन एवं 'टी' मूल्य की गणना कर राजकीय एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया।

## समग्र तुलनात्मक विश्लेषण

राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के समस्त क्षेत्रों के मध्यमान क्रमशः 65.90 एवं 51.20 और मानक विचलन क्रमशः 13.851 एवं 12.546

© NCERT not to be republished

**सारणी संख्या 1**

**राजकीय एवं निजी विद्यालयी प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के दत्तों का मध्यमान, मानक विचलन एवं 'टी' मूल्य**

| क्र. स. | वर्तनीगत त्रुटियों से संबंधित क्षेत्र | राजकीय प्राथमिक विद्यालय | | निजी प्राथमिक विद्यालय | | ('टी' मूल्य) |
|---|---|---|---|---|---|---|
| | | *मध्यमान* | *मानक विचलन* | *मध्यमान* | *मानक विचलन* | |
| 1 | मात्रा संबंधी त्रुटियाँ | 6.95 | 1.538 | 5.45 | 0.826 | 3.745 |
| 2 | अनुस्वार-विसर्ग संबंधी त्रुटियाँ | 6.80 | 1.196 | 5.35 | 1.040 | 3.986 |
| 3 | चंद्रबिंदु संबंधी त्रुटियाँ | 3.50 | 0.946 | 1.85 | 0.671 | 6.202 |
| 4 | विरामादि चिह्नों के उचित प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ | 7.40 | 0.754 | 5.25 | 0.550 | 10.041 |
| 5 | शिरोरेखा एवं सामान्य दूरी संबंधी त्रुटियाँ | 7.95 | 0.887 | 6.95 | 0.759 | 3.733 |
| 6 | वर्णों की बनावट एवं लेखन संबंधी त्रुटियाँ | 7.5 | 0.946 | 6.25 | 1.118 | 3.720 |
| 7 | र् के प्रकारों के प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ | 6.05 | 1.146 | 5.05 | 0.999 | 2.867 |
| 8 | श्, ष्, स्, ह् के प्रयोग व लेखन संबंधी त्रुटियाँ | 6.00 | 0.973 | 4.60 | 0.754 | 4.956 |
| 9 | संयुक्ताक्षरों के प्रयोग व लेखन संबंधी त्रुटियाँ | 7.00 | 0.973 | 5.30 | 1.129 | 4.972 |
| 10 | अन्य विशेष त्रुटियाँ | 6.75 | 0.716 | 5.15 | 0.875 | 6.166 |
| | योग | 65.90 | 13.851 | 51.20 | 12.546 | 9.047 |

स्वतंत्रता अंश 38; सारणी मान 0.01 स्तर पर 2.7115; सारणी मान 0.05 स्तर पर 2.0244

प्राप्त हुए हैं। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों के द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के समस्त क्षेत्रों के कुल दत्तों का 'टी' मूल्य 9.047 प्राप्त हुआ है। यह 'टी' मूल्य सारणी मूल्य 2.7115 (0.01 स्तर) से बहुत ही अधिक है। अतः कहा जा सकता है कि वर्तनीगत त्रुटियों के समस्त क्षेत्रों में राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर पाया गया। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों की अपेक्षा निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा वर्तनीगत त्रुटि के क्षेत्र मात्रा संबंधी त्रुटियाँ, अनुस्वार, विसर्ग संबंधी चंद्रबिंदु संबंधी, विरामादि चिह्नों के उचित प्रयोग, शिरोरेखा एवं सामान्य दूरी वर्णों की बनावट व लेखन, र् के प्रयोग संयुक्ताक्षरों व श्, ष्, स्, ह्, के प्रयोग में त्रुटियाँ करना कम पाया गया।

## तुलनात्मक विश्लेषण

राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के क्षेत्र प्रथम 'मात्रा संबंधी त्रुटियाँ' के मध्यमान क्रमशः 6.95 एवं 5.45 और मानक विचलन क्रमशः 1.538 एवं 0.826 प्राप्त हुए हैं। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के मध्य क्षेत्र प्रथम 'मात्रा

© NCERT not to be republished

संबंधी त्रुटियों' का 'टी' मूल्य 3.745 प्राप्त हुआ है। यह 'टी' मूल्य सारणी मूल्य 2.7115 (0.01 स्तर) से अधिक है। अतः कहा जा सकता है कि 'मात्रा संबंधी त्रुटियाँ' नामक क्षेत्र में राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर पाया गया। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों की अपेक्षा निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों में वर्तनीगत त्रुटि के क्षेत्र प्रथम 'मात्रा संबंधी त्रुटियाँ' के अंतर्गत दीर्घ-ह्रस्व मात्राएँ लगाने संबंधी त्रुटियाँ करना कम पाया गया।

राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के क्षेत्र द्वितीय 'अनुस्वार-विसर्ग संबंधी त्रुटियाँ' के मध्यमान क्रमशः 6.80 एवं 5.35 और मानक विचलन क्रमशः 1.196 एवं 1.040 प्राप्त हुए हैं। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के मध्य क्षेत्र द्वितीय 'अनुस्वार-विसर्ग संबंधी त्रुटियाँ' का 'टी' मूल्य 3.986 प्राप्त हुआ है। यह 'टी' मूल्य सारणी मूल्य 2.7115 (0.01 स्तर) से अधिक है। अतः 'अनुस्वार-विसर्ग संबंधी त्रुटियाँ' नामक क्षेत्र में राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर पाया गया। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों की अपेक्षा निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों में वर्तनीगत त्रुटि के क्षेत्र द्वितीय 'अनुस्वार-विसर्ग संबंधी त्रुटियाँ' में अनुस्वार ( ं), विसर्ग (ः) लगाने संबंधी त्रुटियाँ करना कम पाया गया।

राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के क्षेत्र तृतीय 'चंद्रबिंदु संबंधी त्रुटियाँ' के मध्यमान क्रमशः 3.50 एवं 1.85 और मानक विचलन क्रमशः 0.946 एवं 0.671 प्राप्त हुए हैं। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के मध्य क्षेत्र तृतीय चंद्रबिंदु संबंधी त्रुटियाँ का 'टी' मूल्य 6.202 प्राप्त हुआ है। यह 'टी' मूल्य सारणी मूल्य 2.7115 (0.01 स्तर) से बहुत अधिक (दुगुना) है। अतः कहा जा सकता है कि 'चंद्रबिंदु संबंधी त्रुटियाँ' नामक क्षेत्र में राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत् त्रुटियों में सार्थक अंतर पाया गया। निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों की अपेक्षा राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा वर्तनीगत त्रुटि के क्षेत्र तृतीय 'चंद्रबिंदु संबंधी त्रुटियाँ' में चंद्रबिंदु लगाने, उचित स्थान पर लगाने, आकृति सही नहीं बनाने संबंधी त्रुटियाँ करना अधिक पाया गया।

राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के क्षेत्र चतुर्थ 'विरामादि चिह्नों के उचित प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ' का मध्यमान क्रमशः 7.40 एवं 5.25 और मानक विचलन क्रमशः 0.754 एवं 0.550 प्राप्त हुए हैं। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों

एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के मध्य क्षेत्र चतुर्थ 'विरामादि चिह्नों के उचित प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ' का 'टी' मूल्य 10.041 प्राप्त हुआ है। यह 'टी' मूल्य सारणी मूल्य 2.7115 (0.01 स्तर) से अधिक है। अतः कहा जा सकता है कि 'विरामादि चिह्नों के उचित प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ' नामक क्षेत्र में राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर पाया गया। निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों की अपेक्षा राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा वर्तनीगत त्रुटि के क्षेत्र चतुर्थ विरामादि चिह्नों के उचित प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ में विरामादि चिह्न विशेषतः (।) ( , ) (?) (;) (-) आदि लगाने, न लगाने संबंधी त्रुटियाँ करना अधिक पाया गया।

राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के क्षेत्र पंचम 'शिरोरेखा एवं सामान्य दूरी संबंधी त्रुटियाँ' के मध्यमान क्रमशः 7.95 एवं 6.25 और मानक विचलन क्रमशः 0.887 एवं 0.759 प्राप्त हुए हैं। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों के द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के मध्य क्षेत्र पंचम 'शिरोरेखा एवं सामान्य दूरी संबंधी त्रुटियाँ' का 'टी' मूल्य 3.733 प्राप्त हुआ है। यह 'टी' मूल्य सारणी मूल्य 2.7115 (0.01 स्तर) से अधिक है। अतः कहा जा सकता है कि 'शिरोरेखा एवं सामान्य दूरी संबंधी त्रुटियाँ' नामक क्षेत्र में राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर पाया गया। निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों की अपेक्षा राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा वर्तनीगत त्रुटि केक्षेत्र पंचम 'शिरोरेखा एवं सामान्य दूरी संबंधी त्रुटियाँ' में शिरोरेखा लगाने, न लगाने एवं शब्द, वर्ण, वाक्य संबंधी त्रुटियाँ करना अधिक पाया गया।

राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के क्षेत्र षष्ठम 'वर्णों की बनावट एवं लेखन संबंधी त्रुटियाँ' के मध्यमान क्रमशः 7.5 एवं 6.25 और मानक विचलन क्रमशः 0.946 एवं 1.118 प्राप्त हुए हैं। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के मध्य क्षेत्र षष्ठम 'वर्णों की बनावट एवं लेखन संबंधी त्रुटियाँ, का 'टी' मूल्य 3.720 प्राप्त हुआ है। यह 'टी' मूल्य सारणी मूल्य 2.7115 (0.01 स्तर) से अधिक है। अतः कहा जा सकता है कि 'वर्णों की बनावट एवं लेखन संबंधी त्रुटियाँ' नामक क्षेत्र में राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर पाया गया। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों की अपेक्षा निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों में वर्तनीगत त्रुटि के क्षेत्र षष्ठम 'वर्णों की बनावट एवं लेखन संबंधी त्रुटियाँ' में वर्णों की बनावट के अनुरूप लेखन न कर पाने संबंधी त्रुटियाँ करना कम पाया गया।

© NCERT not to be republished

राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के क्षेत्र सप्तम 'र्' के प्रकारों के प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ, के मध्यमान क्रमशः 6.05 एवं 5.05 और मानक विचलन क्रमशः 1.146 एवं 0.999 प्राप्त हुए हैं। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के मध्य क्षेत्र सप्तम 'र् के प्रकारों के प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ' का 'टी' मूल्य 2.867 प्राप्त हुआ है। यह 'टी' मूल्य सारणी मूल्य 2.7115 (0.01 स्तर) से अधिक है। अतः कहा जा सकता है कि 'र् के प्रकारों के प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ' नामक क्षेत्र में राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर पाया गया। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों की अपेक्षा निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा वर्तनीगत त्रुटि के क्षेत्र सप्तम 'र् के प्रकारों के प्रयोग संबंधी व लेखन त्रुटियाँ' में 'र्', के प्रकारों (रु, द्र, र्द, र) संबंधी त्रुटियाँ करना कुछ कम पाया गया।

राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के मध्य क्षेत्र अष्टम 'श्, ष्, स्, ह्, के प्रयोग संबंधी व लेखन त्रुटियाँ' के मध्यमान क्रमशः 6.00 एवं 4.60 और मानक विचलन क्रमशः 0.973 एवं 0.754 प्राप्त हुए हैं। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के मध्य क्षेत्र अष्टम 'श्, ष्, स्, ह्, के प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ' का 'टी' मूल्य 4.956 प्राप्त हुआ है। यह 'टी' मूल्य सारणी मूल्य 2.7115 (0.01 स्तर) से अधिक है। अतः कहा जा सकता है कि 'श्, ष्, स्, ह्, के प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ' नामक क्षेत्र में राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर पाया गया। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों की अपेक्षा निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा वर्तनीगत त्रुटि के क्षेत्र सप्तम 'श, ष, स, ह, के प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ' में श्, ष्, स्, ह्, के उचित प्रयोग व लेखन संबंधी त्रुटियाँ करना कुछ कम पाया गया।

राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के क्षेत्र नवम 'संयुक्ताक्षरों के लेखन व प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ' के मध्यमान क्रमशः 7.00 एवं 5.30 और मानक विचलन क्रमशः 0.973 एवं 1.129 प्राप्त हुए हैं। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के मध्य क्षेत्र नवम 'संयुक्ताक्षरों के लेखन व प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ' का 'टी' मूल्य 4.972 प्राप्त हुआ है। यह 'टी' मूल्य सारणी मूल्य 2.7115 (0.01 स्तर) से अधिक है। अतः कहा जा सकता है कि 'संयुक्ताक्षरों के लेखन व प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ' नामक क्षेत्र में राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में

© NCERT not to be republished

सार्थक अंतर पाया गया। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों की अपेक्षा निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा वर्तनीगत त्रुटि के क्षेत्र नवम 'संयुक्ताक्षरों के लेखन व प्रयोग संबंधी त्रुटियाँ' में क्ष, त्र, ज्ञ, व अन्य संयुक्ताक्षरों के लेखन संबंधी त्रुटियाँ करना कम पाया गया।

राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के क्षेत्र दशम 'अन्य विशेष त्रुटियाँ' के मध्यमान क्रमशः 6.75, 5.15 एवं मानक विचलन क्रमशः 0.716, 0.875 प्राप्त हुए हैं। राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के मध्य क्षेत्र दशम 'अन्य विशेष त्रुटियाँ' का 'टी' मूल्य 6.166 प्राप्त हुआ है। यह 'टी' मूल्य सारणी मूल्य 2.7115 (0.01 स्तर) से अधिक है। अतः कहा जा सकता है कि 'अन्य विशेष त्रुटियाँ' नामक क्षेत्र में राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों एवं निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर पाया गया। निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों की अपेक्षा राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा वर्तनीगत त्रुटि के क्षेत्र नवम 'अन्य विशेष त्रुटियाँ' में टेढ़ा-मेड़ा लिखना, पंक्ति के ऊपर लिखना वर्णों को टेढ़ा लिखना संबंधी त्रुटियाँ करना अधिक पाया गया।

## परिकल्पना के अनुसार विश्लेषण

'राजकीय एवं निजी विद्यालयी प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता।'

राजकीय प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों एवं निजी प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों का अध्ययन करने हेतु स्वनिर्मित उपकरण के माध्यम से दत्तों का संकलन किया गया। दत्तों व्यवस्थितीकरण के पश्चात् मध्यमान, मानक विचलन एवं 'टी' मूल्य ज्ञात कर परिकल्पना की जाँच की गई।

## विश्लेषण

राजकीय प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों एवं निजी प्राथमिक विद्यालय के छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों से संबंधित दत्तों के मध्य संगणित 'टी' मान 9.047 प्राप्त हुआ है। जो सारणी मान (0.01 स्तर) से बहुत ही अधिक है अर्थात् दोनों स्तरीय छात्रों द्वारा की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर देखा गया। अतः पूर्व निर्धारित परिकल्पना 'राजकीय

**सारणी 2**

**राजकीय एवं निजी विद्यालयी प्राथमिक स्तरीय छात्रों (एन-90) द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के दत्तों का मध्यमान, मानक विचलन, 'टी' मूल्य एवं अंतर**

| प्राथमिक विद्यालय | मध्यमान | मानक विचलन | 'टी' मूल्य | सार्थक/असार्थक अंतर |
|---|---|---|---|---|
| राजकीय | 65.90 | 13.851 | 9.047 | सार्थक अंतर पाया गया। |
| निजी | 51.20 | 12.546 | | |



© NCERT not to be republished

एवं निजी विद्यालयी प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता है।' अस्वीकार की जाती है। निजी विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्रों की अपेक्षा राजकीय विद्यालयों के प्राथमिक स्तरीय छात्र गृहकार्य में वर्तनीगत त्रुटियाँ अधिक करते हैं।

## प्राथमिक स्तरीय छात्रों के गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों को दूर करने हेतु सुझाव

श्रुतलेख का अभ्यास करवाएँ। यथासंभव सुलेख करवाएँ। अध्यापक स्वयं उच्चारण व लेखन शुद्ध स्पष्ट व मानक रखें। साथ ही छात्रों को भी तद्वत प्रेरित करें। मानक भाषा का प्रयोग करें व करवाएँ। लिपि की पूर्ण जानकारी रखें साथ ही छात्रों को भी दें। छात्रों को लिखते समय सचेत रखें। स्वयं भी सचेत रहें। लेखन धैर्यपूर्वक करें व करवाएँ। लिपि के विरामादि चिह्नों की जानकारी दें। संयुक्ताक्षरों एवं श्, स्, ष्, ह, की पूर्ण जानकारी दें। ह्रस्व-दीर्घ मात्राओं को सभेद-सोदाहरण बताएँ व अभ्यास करवाएँ। अनुस्वार, विसर्ग व चंद्रबिंदु संबंधी जानकारी अनिवार्यता दें, जिससे तत्संबंधी त्रुटियाँ न हों। क्षेत्रीय भाषा व मुख्य भाषा के मध्य सतर्क साम्यता लाएँ। व्याकरणिक नियमों की यथावश्यकता जानकारी दें। विरूपता से उभरने हेतु प्रयास करें व करवाएँ। उच्चारण व लेखन साम्यता वाले वर्णों में अंतर स्पष्ट करें। शब्द भंडार में वृद्धि करें व करवाएँ। वर्तनी चार्टों, संयुक्ताक्षर चार्टों, ध्वनि वर्गीकरण आदि से संबंधित तालिकाओं का प्रयोग करें। तकनीकी उपकरणों का प्रयोग करें। मुद्रण त्रुटियाँ कम-से-कम हो यह प्रयास प्रकाशक व लेखक करें। खेल-खेल में शब्द ज्ञान करवाएँ।

### *वर्तनीगत त्रुटियों को दूर करने हेतु गतिविधियाँ एवं अभ्यास कार्य*

*गतिविधियाँ*

1. छात्रों को लेखन हेतु अनुच्छेद, विचारजन्य परिस्थिति, घटना विषयवस्तु, चित्रादि गृहकार्य के रूप में दी जा सकती हैं।
2. दिनभर के क्रियाकलापों को गृहकार्य लेखन के रूप में नियोजित किया जाना चाहिए।
3. विद्यालय में पाठित विषयों के संबंध में लेखन कार्य करवाया जाना चाहिए।
4. रोज़मर्रा की चर्या में प्रयुक्त नवीन शब्दों की सूची निर्माण करवाया जाना चाहिए।
5. समान प्रकृति एवं स्वरूप वाले शब्दों एवं उनकी मात्राओं का लेखन करवाया जाना चाहिए।
6. लेखन में क्षेत्रीय शब्दावली के उपयोग को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए।
7. देवनागरी लिपि का शुद्ध, स्पष्ट एवं सहज पठन, उच्चारण, लेखन हेतु प्रोत्साहन और उनके अर्थ के ज्ञान के लिए पर्याप्त अवसरों का सृजन किया जाना चाहिए।
8. मात्रा, अनुस्वार, विसर्ग, विरामादि चिह्न प्रयोग; शिरोरेखा, वर्ण बनावट, उचित दूरी आदि संबंधी निर्देशन के साथ कक्षा-कक्ष एवं गृहकार्य रूप में लेखन निर्देशन संग अवसर सृजन किया जाना चाहिए।

### *गृहकार्य में वर्तनीगत त्रुटियों को दूर करने हेतु अभ्यास कार्य*

छात्रों को गृहकार्य के दौरान वर्तनीगत त्रुटियों के बचाव हेतु अग्रलिखित बिंदुओं के संबंध में पर्याप्त अभ्यास कराया जा सकता है—

© NCERT not to be republished

1. वर्ण, मात्रादि का पर्याप्त लेखन अभ्यास कराया जाना चाहिए।
2. लिपि बोध हेतु अध्यापक लिपि स्वरूप, प्रकृति के साथ लेखन सूक्ष्मताओं का अभ्यास करवाना चाहिए।
3. स्तरानुकूल वर्ण, शब्द, वाक्य निर्माण एवं समयानुकूल प्रयुक्त करने संबंधी अभ्यास कराकर त्रुटियों को दूर किया जा सकता है।
4. भाषा की लिपि एवं चिह्नों के सर्वप्रचलित स्वरूप का अभ्यास अनिवार्यतः करवाना चाहिए।
5. आलेख में प्रयुक्त प्रत्येक क्षेत्र को आधार बनाकर पर्याप्त अभ्यास कर वर्तनीगत त्रुटियों को दूर किया जा सकता है।
6. लेखन अनुशासन अपनाने का पर्याप्त अभ्यास एवं समझ आवश्यक है।

***अध्यापक शिक्षण हेतु सुझाव***

प्राथमिक स्तर पर शिक्षक जब भाषा शिक्षण के अंतर्गत लेखन सुधार हेतु प्रयास कर रहा हो तो आवश्यक है कि वह लेखन की सूक्ष्मताओं के संबंध में स्वयं स्पष्ट हो। लेखन हेतु शिक्षक कक्षा-कक्ष के साथ गृहकार्य को भी सशक्त उपागम के रूप में उपयोग कर सकता है। शिक्षक कक्षाकार्य एवं गृहकार्य लेखन संशोधन की दृष्टि से करवाएँ तो निश्चित ही छात्र लेखन की कमज़ोरियों से मुक्त हो सकेंगे। अध्यापक, छात्रों को लेखन की विभिन्न अवस्थाओं की जानकारी प्रदान कर स्पष्ट एवं व्यवस्थित लेखन हेतु प्रोत्साहित कर सकते हैं। सुंदर, स्पष्ट, व्यवस्थित लेखन के पश्चात त्रुटि मुक्त लेखन हेतु शिक्षक अथवा मार्गदर्शक को सजग रहना होगा। इस हेतु वह पाठ्यवस्तु एवं दैनिकचर्या में से लेखन को प्रोत्साहित करने वाले स्थलों को चिह्नित करें। साथ ही छात्रों को लेखन हेतु प्रेरित करें। शिक्षक, छात्रों को लेखन हेतु सुधारात्मक एवं रचनात्मक तरीके से प्रेरित करें। शिक्षक वर्तनीगत त्रुटियों के निदान हेतु कटिबद्ध हो कक्षाकार्य एवं गृहकार्य का नियोजन एवं क्रियान्वयन करें। यह आवश्यक है कि शिक्षक कक्षाकार्य एवं गृहकार्य में जिन त्रुटियों, अशुद्धियों, अनियमितताओं को देखें, उन्हें कक्षा-कक्ष में सामूहिक रूप से दूर करने हेतु प्रयास करें। साथ ही विषयगत लेखन से सृजनात्मक एवं वैयक्तिक, मौलिक लेखन की आधारशिला शिक्षा के प्रारंभिक स्तर से ही डालने का मानस रखें। प्रारंभिक स्तर पर किए गए शिक्षक के लेखन त्रुटियाँ दूर करने के प्रयास एवं छात्रों से कराए गए अभ्यास गृहकार्य को सृजनात्मक कार्य की ओर स्वतः उन्मुख करते दिखेंगे। लेखन सूक्ष्मताओं संबंधी अनुशासन का मार्गदर्शन शिक्षक को प्रारंभिक शिक्षा के हर स्तर पर करते रहना चाहिए। शिक्षक हेतु छात्रों द्वारा किए जाने वाले गृहकार्य एवं कक्षाकार्य कक्षा शिक्षण की रणनीति सुनिश्चित करने में सहयोगी बनें, ऐसी अपेक्षा त्रुटि रहित लेखन की आधारशिला के रूप में स्थापित हो सकती है।

मात्राओं की जानकारी, वर्णों की जानकारी एवं उनकी लिपि, ह्रस्व-दीर्घ मात्राओं का ज्ञान छात्रों को दें। संयुक्ताक्षरों की जानकारी, अनुस्वार, विसर्ग व चंद्रबिंदु की जानकारी, श्, ष्, स्, ह्, की जानकारी, र् के प्रकारों की जानकारी, समान दिखने वाले शब्दों की जानकारी, लेखन के समय ध्यान रखने योग्य बातें, लेखन सुधार हेतु अक्षरों की बनावट रखने संबंधी जानकारी आदि को अध्यापक द्वारा छात्रों को दी जानी चाहिए। प्राथमिक स्तरीय शिक्षक छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के कारणों का पता लगाकर कक्षा-कक्ष में त्रुटि उन्मूलनार्थ शिक्षण कराएँ

© NCERT not to be republished

तो निश्चित ही छात्रों के लेखन को त्रुटि मुक्त एवं गुणात्मक करने में सफल हो सकेंगे।

## छात्रों द्वारा की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों के निम्नांकित ज्ञात हुए कारण

- गृहकार्य के दौरान छात्रों द्वारा असावधानी रखना एवं लिपि संकेतों की जानकारी न होना।
- भाषा शिक्षक को वर्तनीगत ज्ञान न होना जिससे छात्रों को भी उक्त ज्ञान न होना।
- मात्राओं की पूर्ण जानकारी न होना। संयुक्ताक्षरों, अनुस्वार, चंद्रबिंदु, हलंत आदि वर्णों के प्रयोग का ज्ञान नहीं होना।
- लेखन के समय जल्दबाज़ी करना।
- शारीरिक विकारों के कारण भी अशुद्धियाँ हो सकती हैं।
- छात्रों-अध्यापकों का उच्चारण अशुद्ध होना।
- सुलेख अभ्यास का अभाव।
- क्षेत्रीय भाषा का प्रभाव।
- वर्ण व शब्द साम्यता का ज्ञान न होना।
- त्रुटियों का उचित संशोधन न होना।
- पाठ्यपुस्तकों का भी त्रुटि युक्त होना।
- व्याकरणिक नियमों की जानकारी न होना।
- लेखन लापरवाही करना।
- अध्यापक द्वारा उचित वर्तनी सुधार संबंधी मार्गदर्शन न देना।
- शब्द लाघव की प्रवृत्ति व लिपि का ज्ञान न होना। छात्रों में शब्द भंडार का अभाव होना।
- रूप रचना का ज्ञान न होना।

उक्त सभी कारणों को मुख्यतः दो वर्गों में विभक्त किया जा सकता है—

### *वर्तनीगत अशुद्धियों के तकनीकी कारण*

1. लिपि अज्ञानता
2. उच्चारण वैषम्य
3. संयुक्ताक्षरों का प्रयोग
4. व्याकरण सम्मत समझ का अभाव
5. सर्व प्रचलित रूपों का अभाव

### *वर्तनीगत त्रुटियों के व्यावहारिक कारण*

1. संशोधन का अभाव
2. अभ्यास का अभाव
3. वातावरण का प्रभाव
4. शारीरिक प्रभाव
5. राजकीय प्रभाव
6. लेखन अज्ञान एवं लापरवाही

## निष्कर्ष

प्रस्तुत शोधकार्य राजकीय एवं निजी विद्यालीय प्राथमिक स्तरीय छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों से संबंधित था। इस शोध से निष्कर्ष निम्नानुसार प्राप्त हुए—

1. राजकीय प्राथमिक स्तरीय विद्यालयों एवं निजी प्राथमिक स्तरीय विद्यालयों के छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में 0.01 स्तर पर सार्थक अंतर पाया गया।
2. राजकीय प्राथमिक स्तरीय विद्यालयों के छात्रों द्वारा निजी प्राथमिक स्तरीय विद्यालयों के छात्रों की अपेक्षा गृहकार्य में मात्रा संबंधी, अनुस्वार, विसर्ग, चंद्रबिंदु, विरामादि चिह्नों के प्रयोग, शिरोरेखा एवं सामान्य दूरी संबंधी, वर्णों की बनावट एवं लेखन संबंधी, र् के प्रकारों के प्रयोग संबंधी, श्, ष्, स्, ह् के प्रयोग व लेखन संबंधी,

© NCERT not to be republished

संयुक्ताक्षरों के प्रयोग व लेखन संबंधी वर्तनीगत त्रुटियाँ अधिक पाई गईं।

3. राजकीय एवं निजी प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों द्वारा गृहकार्य में की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर पाया गया। अतः परिकल्पना 'राजकीय एवं निजी प्राथमिक विद्यालयों के छात्रों द्वारा की जाने वाली वर्तनीगत त्रुटियों में सार्थक अंतर नहीं पाया जाता।' अस्वीकार की गईं।

प्रस्तुत शोध आलेख प्राथमिक स्तर के शिक्षकों एवं छात्रों को त्रुटिरहित गृहकार्य कराने एवं करने में मार्गदर्शन प्रदान करेगा। शिक्षकों को शिक्षण के बिंदुओं का चयन कक्षाकार्य एवं गृहकार्य में से करने की दृष्टि विकसित करने में सहयोग प्रदान करेगा। निश्चित ही गृहकार्य एवं लेखन संदर्भित यह शोध आलेख वर्तनीगत त्रुटियों को दूर करने में प्राथमिक स्तरीय शिक्षकों, मार्गदर्शकों एवं छात्रों को सहयोग प्रदान करेगा।

## संदर्भ


एल.के., ओड. 1980. *हिंदी में भाषा की त्रुटियों का निदान और उसके उपचार के लिए कार्यक्रम*. (पी.एच.डी. शोधकार्य) वनस्थली विद्यापीठ, वनस्थली, राजस्थान.

कुमार, कृष्ण. 2014. *बच्चे की भाषा व अध्यापक— एक निर्देशिका*. नेशनल बुक ट्रस्ट, नयी दिल्ली.

गुरु, कामता प्रसाद. 2013. *हिंदी व्याकरण*. पंचशील प्रकाशन, जयपुर, राजस्थान.

पाण्डे, लता. 2011. *पढ़ना सिखाने की शुरुआत और पढ़ने से संबंधित अन्य लेखों का संकलन*. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नयी दिल्ली.

राठौड़ एवं दवे. 2011. व्यंजन ध्वनियों के उच्चारण में की जाने वाली अशुद्धियों का अध्ययन. *लोकमान्य शिक्षक*. माह दिसंबर. पृ. सं. 36–42. शिक्षा संकाय. जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ. उदयपुर.


© NCERT not to be republished